

# बैक्टीरिया नहीं, उनके जीन्स मदद करते हैं!

**अ**गर आप इस बात से सहमत हैं कि आमाशय में अच्छे बैक्टीरिया पाचन में मदद करते हैं तो उम्मीद करेंगे कि स्वस्थ व्यक्तियों की आंतों में एक-से बैक्टीरिया पाए जाएंगे। ताज़ा शोध से लगता है कि यह सिर्फ आधा सच है।

यह जानकर कि आंतों में पाए जाने वाले बैक्टीरिया पाचन में सहायक होते हैं, वाशिंगटन विश्वविद्यालय के जेफ्री गॉर्डन व उनके सहयोगियों ने विभिन्न लोगों के मल की जांच करके पता लगाया कि उनकी आंतों में कौन-कौन-से बैक्टीरिया पाए जाते हैं।

शोधकर्ताओं को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि स्वस्थ लोगों के शरीर में बैक्टीरिया की काफी अलग-अलग प्रजातियां पाई जाती हैं। यहां तक कि शोध में शामिल 154 में से प्रत्येक व्यक्ति की आंत में प्रमुख बैक्टीरिया भी एक-से न थे। मगर इस अध्ययन में रोचक बात यह पता चली कि सभी स्वस्थ लोगों में बैक्टीरिया-जीन्स का एक समूह था जो एक-सा था। यानी पाचन में सहायक जीन्स का एक समूह है जो सभी स्वस्थ लोगों में पाया जाता है हालांकि हो सकता

है कि ये जीन्स अलग-अलग लोगों में बैक्टीरिया की अलग-अलग प्रजातियों में पाए जाते हों। अर्थात हमें बैक्टीरिया की किसी खास प्रजाति की नहीं बल्कि उनके जीन्स की ज़रूरत होती है जो पाचन में मदद कर सकें।

अध्ययन में एक और रोचक व महत्वपूर्ण बात का खुलासा हुआ। मोटे लोगों और दुबले लोगों की आंतों में प्रमुख बैक्टीरिया-जीन्स में अंतर देखा गया। यह पता चला कि मोटे लोगों में ऐसे बैक्टीरिया-जीन्स ज़्यादा पाए जाते हैं जो वसा, प्रोटीन और कार्बोहायड्रेट्स का बेहतर पाचन करते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि मोटे लोगों में ये जीन्स भोजन से ज़्यादा ऊर्जा प्राप्त कर पाते हैं और उसका बेहतर संग्रह कर पाते हैं। गॉर्डन को उम्मीद है कि इन जीन्स का बेहतर ज्ञान हमें मोटापे पर नियंत्रण के बेहतर साधन उपलब्ध करा सकता है।

यह भी एक रोचक तथ्य पता चला है कि परस्पर सम्बंधित लोगों में जीन्स भी समान पाए जाते हैं। **(स्रोत फीचर्स)**